एन्तनि ने वर्णिन्तुनु

रागम्: मुखारि ताळम्: रूपकम्

(श्री त्यागराज विरचित)

पल्लवि

एन्तनि ने वर्णिन्तुनु शबरी भाग्य

अनुपल्लवि

दान्तुल वरकान्तलु जग-
मन्त निन्डि युण्डग

चरणम्

कनुलार सेविञ्चि कम्मनि फलमुल नोसगि

तनुवु पुलकरिञ्च पादयुगमुलकु म्रोक्कि

इनकुलपति समुखम्बुन पुनरावृत्तिरहित
पदमुनु पोन्दिन त्यागराजनुतु रालि पुण्यम्बुनु

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇